


16/12/22 पहावली आठ दवे श्री पहावली केसम  
पेरा हूई। दावा वती धिडै निरपाने के काण  
पुर्गी व जर्गी वरील के हाव ज्ञा. पहावली विडै  
करने हेतु कहे जाने पर जर्गी का ज्ञा. पहावली  
(स्थायित्व) किया जाता है। ज्ञा. पहावली निर  
पाने से न्यायालय का पूर्व आदेश दिनांक  
6/10/22 का पुनरावलोकन हो गया। पहावली वाप  
लौकील सामिल पत्र हो

  
T. C. [Signature]  
16/12/2022

राम [Signature]  
उपस्थान [Signature]